

मोड्यूल 10 : विटामिन 'के' की सुई लगाना

सत्र 3 : सुई (सिरिज)

दिवस : 1

समयावधि : 1 घं. 30 मि.

प्रयोजन

सही तरीके से विटामिन 'के' की सुई लगाने के लिए आशा की तैयारी कराना।

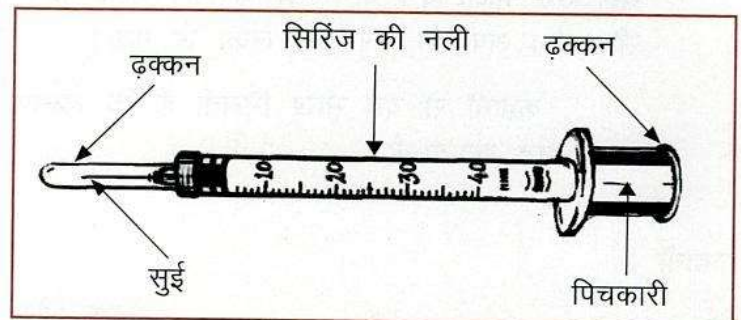
उद्देश्य

सत्र के अंत में आशाओं में निम्न योग्यताएँ आएँगी —

1. सुई (सिरिज) के भाग पहचानना।
2. बताना कि विसंक्रमण क्या है और क्यों यह सुई विसंक्रमित, पैक की हुई और एकही बार प्रयोग करने योग्य है।
3. सुई का प्रयोग करना, और विटामिन 'के' की सही मात्रा सुई में भरने का प्रदर्शन करना।

सामग्री

- अध्ययनपत्र 1 : सुई — गलतियाँ और उनके खतरनाक परिणाम
- इन्सुलीन की सुईयाँ
- विटामिन 'के' के एम्प्यूल (1 मि.ली. = 10 मि.ग्रा.)
- पानी (छोटे कपों में)
- एम्प्यूल तोड़ने के लिए चम्मच या कटर
- प्लास्टिक का डिब्बा जिसमें प्रयोग की हुई सुई तथा एम्प्यूल इकट्ठा कर सकें। (इस डिब्बे को सब तरफसे बंद करें और ऊपर सिर्फ एक छेद छोड़ दें, जिसमें से सुई तथा टूटे एम्प्यूल को अंदर डाला जा सके।)



तैयारी

- छोटे समूहों में अभ्यास करने के लिए सभी सामग्री के तीन सेट तैयार कर लें।
- प्रशिक्षणार्थियों की संख्या के अनुसार अध्ययनपत्र 1 की प्रतियाँ बना लें।

प्रशिक्षण विधि

प्रस्तुति और सिरिजका प्रदर्शन (30 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. इन्सुलीन सुई (सिरिज) दिखाएँ और उसके विभिन्न भाग समझाएँ।
2. बताएँ कि विसंक्रमण का अर्थ है, किसी चीज को विशेष विधियों द्वारा (उबले पानी, या भाप अथवा रसायनों द्वारा) साफ करना जिससे उस पर लगे जीवाणु नष्ट हो जायें। बतायें कि यह सुई (सिरिज) पहले से ही विसंक्रमित की गई है, और डिब्बाबंद तथा सीलबन्द कर ली गई है, इसलिए यह जीवाणुरहित है। इस

जीवाणु रहित सुई को एक ढक्कन द्वारा बचाये रखा जाता है। इस सुई को उंगलियों तथा अन्य चीजों से छूना नहीं चाहिए, वरना उसमें जीवाणु लग सकते हैं। यदि डिब्बा खुला हुआ है या सील टूटी हुयी है तो सुई का प्रयोग नहीं करना चाहिए। केवल विसंक्रमित सिरिंज और सुई ही प्रयोग करनी चाहिए क्योंकि इससे संक्रमण नहीं होता।

3. सिरिंज की नली पर बने हुए पैमाने को चित्र द्वारा बोर्ड पर बना कर समझाएँ।
4. विटामिन 'के' का एम्प्यूल दिखाएँ। बच्चे को इसका 1 मि.ग्रा. दिया जाता है। इसका अर्थ यह है कि सिरिंज की नली पर लगे हुए 4 के निशान तक यह (विटामिन 'के') भरा जाना चाहिए।
5. एम्प्यूल के ऊपरी भाग को चम्मच की सहायता से तोड़ें। सुई लगाने के बाद टूटे हुए काँच को प्लास्टिक सिरिंज बाक्स में डालें।
6. बताएँ कि सुई के आगे लगे हुए सुरक्षा ढक्कन को कैसे हटाना है, सुई को एम्प्यूल में डालना है और पिचकारी को कैसे बाहर की ओर खींचकर एम्प्यूल का द्रव (विटामिन 'के') सिरिंज में '10' के निशान तक भरना है।
7. बताएँ कि कैसे सिरिंज को आँखों के बराबर रखकर देखना है, ताकि उस पर लगे निशान साफ-साफ दिखाई पड़ें।
8. बताएँ कि सिरिंज के अंदर कोई बुलबुला (हवा) हो तो उसे कैसे निकालना है, सिरिंज की पिचकारी से कैसे अतिरिक्त द्रव बाहर निकालना है ताकि द्रव '4' के निशान तक रहे (विटामिन 'के' का केवल 1 मि. ग्रा.)।
9. सुरक्षा के उपायों के बारे में बताएँ। "गलतियाँ और उसके खतरनाक परिणाम" वाला अध्ययनपत्र 1 देखने को कहें।
10. किसी के कोई प्रश्न हों तो उनका समाधान करें।

सिरिंज (सुई) के प्रयोग का अभ्यास (50 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

- सभी को 3-3 सदस्यों के समूहों में बाँटें।
- सिरिंज (सुई), विटामिन 'के' एम्प्यूल, चम्मच और कपों में पानी सभी को बाँट दें।
- प्रशिक्षणार्थियों को, सुईयों का सुरक्षा ढक्कन खोलने, सिरिंज की सील तोड़ने, उसकी पिचकारी को बाहर की ओर खींचकर सिरिंज में द्रव भरने, हवा के बुलबुले को बाहर निकालने और 'दवा' की सही मात्रा भरने ('4' के निशान तक भरने) का अभ्यास करवाएँ।
- प्रशिक्षक कमरे में घूम-घूमकर मदद करें।

सारांश (10 मि.)

- किसी एक प्रशिक्षणार्थी से सिरिंज (सुई) के मुख्य भाग बताने को कहें।
- दूसरे प्रशिक्षणार्थी से सिरिंज पर लगे हुये निशानों के बारे में और कितनी विटामिन 'के' की सुई लगानी है, यह बताने को कहें।
- कुछ गलतियाँ हों, तो सुधारें और महत्वपूर्ण जानकारी दोहराएँ।
- आशा की उनके अच्छे काम के लिए प्रशंसा करें।

सत्र का मूल्यांकन :

उद्देश्य	आंकलन विधि	परिणाम
सिरिज (सुई) के विभिन्न भाग पहचानना	देखना	—
बताना कि विसंक्रमण क्या है और क्यों यह सुई विसंक्रमित, पॅक की हुई और एकही बार प्रयोग करने योग्य हैं।	प्रश्न-उत्तर	—
सुई का प्रयोग करना, और विटामिन 'के' की सही मात्रा सुई में भरने का प्रदर्शन करना।	अभ्यास के दौरान निरीक्षण। प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी सिरिज का प्रयोग करना तथा सिरिज में विटामिन 'के' की सही मात्रा भरने का प्रदर्शन करे।	प्रशिक्षक द्वारा लिखा गया निरीक्षण का विवरण।